

Ex/Sans/PG/3.4B/75/2018

**MASTER OF ARTS EXAMINATION, 2018**

(2nd Year, 3rd Semester)

**SANSKRIT**

**Course : XIV/B**

**[Etymology]**

Time : Two Hours

Full Marks : 30

१। अधस्तनेषु एकस्य प्रश्नस्य उत्तरं संस्कृतभाषया प्रदेयम्। 10

(क) निरुक्तदिशा दैवतशब्दस्याभिप्रायं निरूप्य ऋचां त्रयो भेदा वर्णनीयाः।

(ख) देवतानामाकारविषये यास्काचार्यस्य मतं वर्णयताम्।

(ग) किं नाम भक्तिसाहचर्यम्? निरुक्तानुसारेण अग्निदेवतायाः भक्तिसाहचर्यमवलम्ब्य संक्षेपेण कश्चन प्रबन्धो विरचनीयः।

२। अधोलिखितेषु यथेच्छं पदचतुष्टयं यास्कमतमनुसृत्य निर्वचनीयम्।

2½×4=10

(क) मन्त्रः।

(ख) छन्दः।

(ग) साम।

(घ) अनुष्टुप्।

(ङ) बृहती।

(च) जगती।

[Turn over]

[ 2 ]

३। निम्नलिखितेषु निरुक्तसंदर्भद्वयं यथायथं व्याख्येयम्। 5×2=10

(क) यद्देवतः स यज्ञो वा यज्ञाङ्गं वा, तद्देवता भवति।

(ख) माहाभार्याद्देवताया एक आत्मा बहुधा स्तूयते।

(ग) अपि वा पृथगेव स्युः पृथग्घि स्तुतयो भवन्ति।

(घ) गायत्री गायतेः स्तुतिकर्मणः।

---